www.rajteachers.com

www.rajteachers.com

67 वे स्वतंत्रता दिवस की रूपरेखा

=> कार्यक्रम के पहले की घोषणा

हेलो, नमस्कार, आदर प्रणाम ।

67 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त ग्रामवासियो को श्री बालाजी आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय बीजा की ओर से हार्दिक बधाई ।

प्यारे भाइयो और बहिनो आपके दिल की धड़कन और आपके सपनो की आशा श्री बालाजी आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रांगण मे 67 वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वीर शहीदो की याद मे शानदार रंगारंग कार्यक्रम कि शुरुआत बस कुछ ही पलो मे होने जा रही है। इसलिए मेरा समस्त ग्रामवासियो से हाथ जोड़कर निवेदन है कि आप भी इस कार्यक्रम का आनन्द उठाने और वीर शहीदो को श्रद्धासुमन अर्पित करने चले आइए हमारे संग हमारे ही विद्यालय श्री बालाजी आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रांगण मे ।

और हुई है निकला सूरज, मौसम ने भी ली है अंगड़ाई ।
वीर शहीदो की शहादत को याद करने घड़ी है आई ।।

जी हाँ सुबह हो चुकी है और सूरज भी निकल आया है। इधर श्रावण के इस मौसम ने अंगड़ाई लेकर इस फिजा को और खुशनुमा बना दिया है। और आप अभी तक नही आए। अरे साथियो अब तो आ जाइए आज शहीदो कि शहादत को सलाम करने का दिन है। तो चले आइए हमारे विद्यालय प्रांगण में ।

उठकर तो देखिए सुबह का नजारा, मौसम है ठण्डा हवा है सुहानी
सो गया चाँद छुप गए तारे, कबूल कीजिए पैगाम हमारा ।

अरे अब तो उठ जाइए साथियो । चाँद भी सो गया और तारे भी छुप गए । इधर सूरज ने भी अंगड़ाई लेकर अपनी सतरंगी किरणो से इस जहाँ को रोशन कर दिया है। और पवन भी चलने लगी मंद मंद ठण्डी

www.rajteachers.com

सभा ने इस मौसम को और भी सुहाना बना दिया है। और आप अभी तक सो रहे हो।

अरे ओ प्यारो आज सोने का दिन नहीं है आज तो आजादी का जश्न मनाने का दिन है। तो फिर देर किस बात की चले आइए आजादी का जश्न मनाने हमारे संग हम आपका इन्तजार कर रहे हैं।

मैं एक बार फिर से समस्त ग्रामवासियों से हाथ जोड़कर निवेदन करता हूँ कि आप जल्दी से जल्दी पधारने का कष्ट करें। क्योंकि हमारा आज का ये कार्यक्रम बस शुरू होने ही वाला है।

आजादी का जश्न मनाने सारे लोग इकट्ठे हुए हैं।
अब तो आ जाओ आपके इन्तजार में हम खड़े हैं।

थोड़ी देर बाद

जैसा कि आप सभी को मालूम ही है कि आज हम सब मिलकर 67 वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस के इस पावन पर्व पर यहाँ पधारे समस्त मेहमानों का भी आजादी आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय परिवार कि ओर से हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत।

हे धरा जरा महकते रहना मेहमान जो पधारे हैं
पुष्प मत बिछा देना राहों में हम पलकें बिछाये बैठे हैं।

अब आज का हमारा ये कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है और आज के हमारे इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैं श्रीमान [illegible] जी और इस कार्यक्रम कि अध्यक्षता करेंगे श्रीमान [illegible] जी। आज के हमारे विशिष्ट अतिथि होंगे श्रीमान (1) [illegible] (2) श्रीमान [illegible] जी (3) श्रीमान [illegible] जी (4) श्रीमान [illegible] जी (5) श्रीमान [illegible] जी

www.rajteachers.com

मैं मुख्य अतिथि अध्यक्ष महोदयजी एवं विशिष्ट अतिथियो से निवेदन करना चाहूगा कि वे आगे आए और अपना - अपना स्थान ग्रहण करे।

① स्वागत :-

जिस प्रकार हमारे देश मे मेहमानो को भगवान का दर्जा देकर सर्वप्रथम उसका आदर सत्कार किया जाता है। इसी परम्परा के अनुसार इस विद्यालय कि बहीन ---- व ---- द्वारा यहा पधारे हुए मेहमानो का भारतीय परम्परा के अनुसार सर्वप्रथम हाथ मे मोली बाँधकर तिलक व अक्षत्र लगा के हाथ मे श्रीफल भेंट किया जाता है। हम भी भारतीय होने के नाते इसी परम्परा के अनुसार स्वागत करते है।

सर्वप्रथम ये बहीने आज के हमारे मुख्यअतिथि श्रीमान सूरजमल वर्मा जी का स्वागत कर रही है। स्वागत कि इसी कडी मे अब ये बहीने विशिष्ट अतिथियो मे श्रीमान ① ----- जी का स्वागत कर रही है। अब ये बहीने श्रीमान ----- जी का स्वागत कर रही है।

होया जो आगमन आपका तो आँख सु अवकार है
प्रथम नजरो सु अर पछे हृदय सु सत्कार है।

जी हां कुछ इसी भाव के साथ ये बहीने आए हुए मेहमानो का स्वागत कर रही है।

फूल जब माँगते है वर्षो दुआ तब बहारो कि कली खिलती है
आप तो आए हो जन्नत से आप जैसे मेहमान इस जमीन मे कहाँ मिलते

जी हाँ एक बार फिर से यहाँ पधारे समस्त मेहमानो का इस विद्यालय परिवार की ओर से तहे दिल से हार्दिक स्वागत करता हूँ। क्योकि आप सब ने अपना अमूल्य समय हमारे व इन नन्हे मुन्हे भैया बहिनो हेतु निकाला है।

ध्वजारोहन :-

यहाँ पधारे हुए समस्त मेहमानो के स्वागत के बाद अब मैं इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान ---------- जी से निवेदन करना चाहुगा कि वो आगे आए और ध्वजारोहण करे। ध्वजारोहण के इस अवसर पर मैं समस्त मेहमानो और इस विद्यालय के भैया बहीनो से निवेदन करना चाहुगा कि वे अपने अपने स्थान पर खडे होकर इस तिरंगे झण्डे का सम्मान करे। (राष्ट्र गीत - वन्दे मातरम)

निल गगन मे लहरा उठा तीन रंग मे रंगा तिरंगा
भारत कि ये शान तिरंगा देखो कितना प्यारा तिरंगा।
धन्य है वे वीर सपूत जिसने ये फहराया तिरंगा।
देकर अपनी जान अपनी उसने फहराया था ये तिरंगा।
धन्य है वे माताए जिसने इसको जन्म दिया।
दिखला दी ताकत दुनिया को जग मे नाम अमर किया।
कैसे भूले उनको हम, याद उनकी आ जाती है।
जब भी ये फहराए तिरंगा आँखे नम हो जाती है।
धन्य है वे बहीने जिसका सिन्दूर उजड गया।
धन्य है ये मातृ भूमी यहाँ तिरंगा फहरा दिया।
निल गगन मे उडा तिरंगा याद शहीदो कि दिला गया।
तीन रंग मे रंगा तिरंगा आज हमने फहरा दिया।

जी हाँ ये तिरंगा इस पावन धरा पर यू ही सदा लहराता रहे और हमे उन वीर शहीदो की सदा याद दिलाता रहे जिन्होने इस मातृभूमि के खातिर अपने प्राणो का बलिदान दिया था।

दीप मंत्र :-

अब मैं इस कार्यक्रम के अध्यक्ष महोदयजी श्रीमान -------- जी से निवेदन करना चाहुगा

www.rajteachers.com

www.rajteachers.com

कि वे आगे आए और माँ सरस्वती के चरणो मे दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम कि विधिवत शुरुआत करे।

④ स्वागत गीत :—

माँ सरस्वती कि पुजा के बाद अब मैं इस विद्यालय कि बहीनो द्वारा यहाँ पधारे हुए मेहमानो के सम्मान मे स्वागत गीत प्रस्तुत किया जाएगा गीत के बोल है:—

हर दिल फरियाद नही करता, हर कोई किसी को याद नही करता
हम भूल जाए आपको इस मौके पर इस बात पर दिल ऐतबार नहीं करता

जी हाँ अभी इसी भाव के साथ इन बहीनो ने यहाँ पधारे समस्त मेहमानों के सम्मान मे मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

⑤ ध्वजगान :—

अब आपके सामने इस विद्यालय कि द्वारा इस तिरंगे झण्डे के सम्मान में झण्डा गीत प्रस्तुत किया जाएगा। गीत के बोल है:—

नील गगन मे लहरा रहा भारत कि ये शान तिरंगा
देखो कितना प्यारा ये तिरंगा हम सब कि ये जान तिरंगा।

जी हाँ अभी इन बहीनो ने इस गीत के माध्यम से इस तिरंगे का गुणगान किया और हमे बताया कि इनके तीनो रंगो ने ही हमको जीना सीखाया है।

⑥ शारीरिक व्यायाम प्रदर्शन :—

अब आपके सामने हमारे विद्यालय के नन्हे मुन्हे भैया बहीनो द्वारा सामूहिक शारीरिक व्यायाम प्रदर्शन प्रस्तुत किया जाएगा।

www.rajteachers.com

जो भरा नही है भावो से जिसमे बहती रसधार नही
वह हृदय नही वो पत्थर है जिसमे स्वदेश का प्यार नही
जी हाँ इसी देशभक्ती जज्बे के साथ ये भैया बहीन इस ढोल के मशहुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए आपके सामने अपने अंगो का शानदार संचालन करते हुए ये शानदार व्यायाम प्रदर्शन प्रस्तुत कर रहे है।

कदम से कदम मिलाते जाना आगे सदा तू बढते जाना
रूकना नही तू झुकना नही आगे सदा तू बढते जाना
कदम से कदम मिलाते जाना आगे सदा तू –
तुफानो से टकराते जाना मुस्किलो से तू लड़ते जाना
हो सामने मंजिल तो उस मंजिल के ओर बढते जाना
कदम से कदम मिलाते जाना - - - - -
काटो को हटा के तू फूल राहो मे खिलाते जाना
याद करेगी दुनिया तुमको तू प्रेम के ज्योत जलाते जाना।
कदम से कदम मिलाते जाना - - -

जी हाँ आप सदा ही कदम से कदम मिलाते चलते रहना और आने वाली हर मुसिबत का सामना हिम्मत से करना एक दिन आपको मंजिल अवश्य मिल जाएगी

ऐ वतन हमको तेरी कसम, तेरी राह मे हम जान तक लुटा देंगे
फूल क्या चीज है हम तेरे आँचल मे सिर भी भेंट चढा देंगे।

जी हाँ इसी जनून के साथ ये नन्हे मुन्हे भैया बहीन श्री भैया - - - - - के नेतृत्व मे ये व्यायाम प्रदर्शन प्रस्तुत कर रहे है।

सामने हो मंजिल तो रस्ते मत मोड़ना जो भी सपना है उसे मत तोडना।
कदम कदम पे मुस्किले मिलेगी बस सितारे तोडने के लिए जमीन मत छोडना।

जी हाँ आपने जो सपना देखा है। उस सपने को कभी मत तोडने देना आपकी राह मे